RNI No.: RAJHIN/ 2014 / 65130

राजस्थान नेत्र ज्योति

वर्ष : 2022 अंक : 3 जुलाई – सितम्बर, 2022

खूबसूरत
आँखों को
हर पल-
हर दिन
नई दुनिया
दिखायें...

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

सम्पादकीय

राजस्थान नेत्र ज्योति के सभी पाठकों, नेत्रदान दाताओं, नेत्रदान का संकल्प पत्र भरकर इस समाजसेवी प्रयास को आगे बढ़ाने वाले, आर्थिक सहयोग करने वाले तथा अंधता उन्मूलन के कार्य से जुड़े हुए सभी भाई-बहनो को आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान की ओर से दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं।

पूरे विश्व में मनाए जाने वाले नेत्रदान जागरूकता पखवाड़े का राजस्थान मे इस वर्ष आगाज बहुत ही प्रभावी तरीके से हुआ। वैसे आई बैंक की स्थापना से लेकर अब तक लगातार सोसाइटी के नेतृत्व मे जागरूकता पखवाड़ा जयपुर सहित सभी चैप्टर्स मे मनाया जाता है। लेकिन इस वर्ष नये-नये क्षेत्रों में पहुंच कर अंधकार में जी रहे लोगों के जीवन मे उजाला लाने के लिए जन जागरण के प्रभावी और परिणाम मूलक प्रयास किए गए। परिणाम भी सामने हैं। हर वर्ष कोर्निया संग्रह और प्रत्यारोपण की संख्या में निरन्तर बढ़ोतरी हो रही है।

- आई बैंक सोसायटी संकल्पबद्ध है कि नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम किसी न किसी तरह से साल भर चलता रहे ताकि अंधकार मैं जीवन जीने वाले जो लोग जो रोशनी की कतार में खड़े हैं उनको भी उजाला मिल सके।
- आई बैंक सोसाइटी के सभी आजीवन सदस्य, ज्योति मित्र, स्वयं सेवी संगठनो में काम करने वाले सभी महानुभाव यह कठोर संकल्प ले लें कि वे प्रति दिन 2 लोगों से नेत्रदान का संकल्प पत्र भरवा कर भिजवाएगें। इससे साल दर साल नेत्रदान दाताओं की संख्या स्वतः बढ़ती जाएगी।
- नेत्रदान के संकल्प पत्र भरकर जमा कराने वाले सभी महानुभवों को उनके जन्मदिन पर बधाई संदेश हर वर्ष भिजवाने की व्यवस्था हो तो समय आने पर आइ बैंक को भेजा गया नेत्रदान का संकल्प पत्र उनकी स्मृति में बना रहेगा और आई बैंक सोसाइटी को वह फोन करना नहीं भूलेंगें।
- राज्य सरकार अपने अधीन सभी सरकारी विभागों के कर्मचारियों को नेत्रदान का संकल्प पत्र भरकर आई बैंक सोसाइटी को भेजने की एडवाइजरी जारी करें और उसकी पालना भी कराएं
- इसी प्रकार पुलिस, जेल, होमगार्ड, एनसीसी, स्काउट तथा अन्य वर्दीधारी सुरक्षा संगठनो के लिए संकल्प भरने की विभागीय एडवायजरी जारी की जाय।

-लक्ष्मण बोलिया

OTHER USES FOR CORNEAS

While donated corneas are almost always recovered with the intent for transplant, a number of factors can disqualify the corneas for surgical use. Some of these factors include the donor's medical history; individuals with communicable diseases such as HIV, syphilis or hepatitis, or other health issues, are precluded from donating. Alternately, the eye bank's examination of the tissue after recovery may indicate that the cornea is not suitable for transplant.

Since each cornea is a gift given by the donor or with permission by the donor's family, EBSR members strive to ensure that all the corneas and eyes that are recovered are put to a beneficial use. Some of these alternative uses include:

Research and Education : Researchers need donated corneas to investigate the causes of these diseases and to develop better treatments for them, as well as ways to enhance corneal healing. Corneas that are not suitable for transplant are provided to researchers for this purpose. These corneas may also be used to train medical students, ophthalmologists and eye bank technicians in the latest transplantation techniques and procedures.

Glaucoma Treatments : Glaucoma is often associated with increased fluid pressure in the eye, resulting in nerve damage to the retina. One treatment to relieve the pressure involves the placement of a shunt; a small tube is inserted into the eye to allow fluid to drain from the eye. Because the tube extends above the surface of the eye, the physician covers the end of the tube with a small piece of tissue to make blinking and eye movement more comfortable. These covers can be made from segments of cornea or sclera (the white of the eye).

Whole Eye Recoveries : Many diseases that cause blindness or vision loss affect parts of the eye other than the cornea. There are a number of organizations and researchers who study these diseases, and they need whole eyes on which to work. While these organizations generally conduct their own recoveries, sometimes individuals with these diseases pass away in areas that are not practical for the researchers to conduct a recovery. In these cases, they will call on the local eye bank to obtain the entire eye for their research facilities for examination.

Gobind Gurbani
Co Editor

President Message

Dear friends,

It is a pleasure to present to you the latest issue of Rajasthan Netra Jyoti . This quarter is very important from the view of spreading the message of Eye Donation in the masses. As you may all be aware that the period from 25th August to 8th September is fully devoted as awareness fortnight to spread the message of eye donation. It is observed throughout the nation. In the Eye Bank Society of Rajasthan we take it virtually a time of celebration to spread the message with a lot of gusto and enthusiasm. Therefore, this issue is mostly devoted to the contribution made by different chapters in reaching out to the largest number of members in the community.

The campaign of this year was planned and executed by the younger generation of EBSR. It has been special and quite widespread in its quality and outreach. In addition to the usual items and programs taken every year some new ideas were also implemented. Most important of them was to address the inmates in various jail premises of Rajasthan; this was done for the first time and it had a salutary impact.

The idea has been that gradually the relatively new member of the EBSR team be given responsibility of managing the functions of the eye bank. Awareness was the starting point. It proved quite successful. We have succeeded in restarting activities in Mahatma Gandhi Hospital Jaipur and did in the ice breaking initiative with the latest addition in Jaipur ,Rajasthan Hospital.

This quarter has given us reasonable results with regard to the availability of corneas. In the quarter we provided 410 transplantable corneas by collecting 654 corneas. The progress so far in the current year, from January onwards, has been encouraging. Up to September we have collected 1889 corneas out of which 1203 have been transplanted at the Utilisation rate of 64%.If we can maintain this tempo and work focused in the remaining period then it is possible that we may put up the best performance ever. Out of this so far Jaipur has contributed 813 corneas which is 67 % of the total transplanted corneas, Ajmer gave 1254 at 11% while Kota has contributed 106 corneas which is 8% of the total.

Out of the councillors Mukesh gave the highest number of transplanted corneas 80, Ramswaroop 78 and Prahlad contributed 67 corneas.

All members of the staff are expected to work to their potential to create a new landmark in performance. Wishing them good luck and good results.

B. L. Sharma
President

राजस्थान में नेत्रदान जागरूकता अभियान सभी चेप्टर्स में अभूतपूर्व उत्साह

जयपुर चेप्टर

नेत्रदान के महत्व एवं लोगों के बीच जनचेतना जागृत करने के उद्देश्य से हर वर्ष राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर 25 अगस्त से 8 सितंबर तक राष्ट्रीय नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा मनाया जाता है। दिनांक 25 अगस्त को सर्वप्रथम परम्परागत रूप से गणेश मंदिर में पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। साथ ही उस दिन श्री एसपी वर्मा के निर्देशन में उनकी युवा नाट्यकर्मी टीम द्वारा तमसो मा ज्योतिर्गमय नुक्कड़ नाटक की बहुत ही सुंदर प्रस्तुति की गई। इस नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति पूरे पखवाड़े के दौरान अन्य स्थानों पर भी की गई। सभी ने इस प्रयोग की सराहना की।

मोती डूंगरी गणेश जी के मंदिर के बाहर आई बैंक सोसायटी के कार्यकर्त्ता

नेत्रदान, परिवार समाज एवं देश की परंपरा बने इसके लिए आई बैंक सोसायटी द्वारा वर्ष भर जनचेतना के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा सकते हैं। इसके लिए हम शैक्षणिक संस्थानों में युवाओं के साथ, सरकारी एवं निजी हॉस्पिटल के डाक्टरस एवं नर्सिंग स्टाफ , पुलिस विभाग ,सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के बीच जाकर नेत्रदान की आवश्यकता एवं उनके सहयोग के प्रति अपनी बात करते हैं । इस बार भी सोसायटी ने राजस्थान पुलिस अकैडमी जयपुर एवं जोधपुर के प्रशिक्षणार्थियों, यादगार में ट्रैफिक पुलिस , एस एम एस हॉस्पिटल के थाने, सांगानेर सदर थाना शिवदासपुरा थाने के पुलिसकर्मियों द्वारा दिए जा रहे सहयोग, नेत्रदान में मृत व्यक्तियों के परिवारवाजनो की समझाइश में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर उनसे चर्चा की गई। विशेषकर मेडीको लीगल केसेज में वर्तमान में एस एम एस हॉस्पिटल के थाने से हमें बहुत सहयोग मिल रहा है। यहां से सर्वाधिक कॉर्निया एकत्रित कर पा रहे हैं इसके लिए सोसायटी पुलिस विभाग की बहुत आभारी हैं।

पखवाड़े के दौरान एस. वी. पब्लिक स्कूल ,आईपीएस बिजनेस स्कूल, एसएमएस नर्सिंग कॉलेज , स्वास्थ्य कल्याण ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस सीतापुरा, नर्सिंग स्कूल हीराबाग, राजस्थान डेन्टल कालेज, राजस्थान स्वास्थ्य योग परिषद,सन्तोकबा दुर्लभ जी अवेदना आश्रम ,लोक शिक्षण संस्थान आदि शैक्षिक एवं सामाजिक संस्थानों में जाकर नेत्रदान के महत्व के लिए रैली, फिल्म शो ,नुक्कड़ नाटक एवं नेत्रदान के कार्य में उनकी भूमिका कैसे महत्वपूर्ण हो सकती है की जानकारी दी। इन सभी संस्थानों से हर सम्भव सहयोग काआश्वासन मिला है। निश्चय ही आने वाले समय में ईबीएसआर द्वारा फॉलो अप कर सहयोग की निरंतरता एवं उनकी भूमिका पर कार्य किया जाएगा।

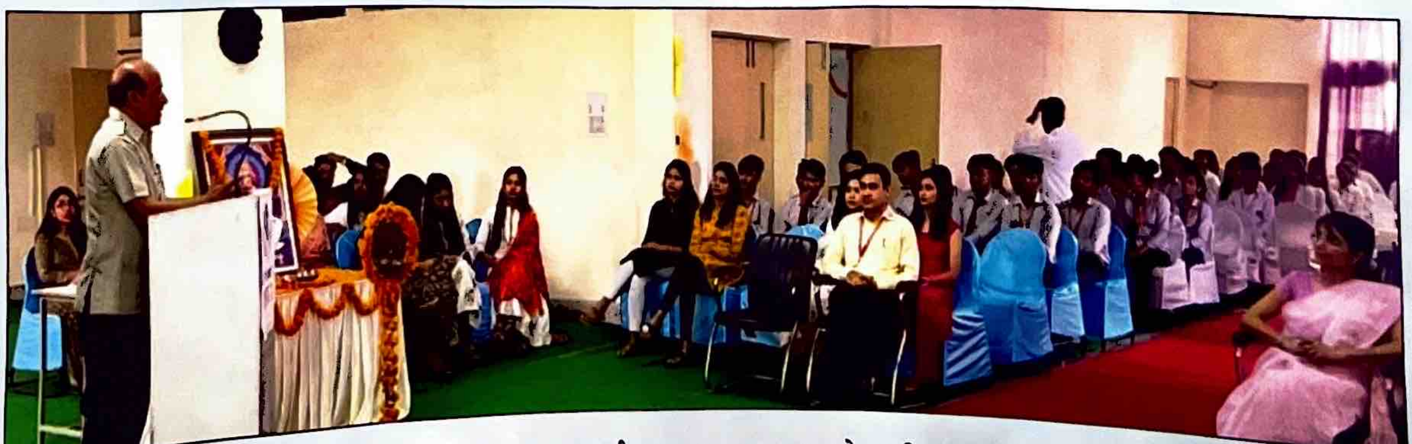

आई बैंक सोसायटी के अध्यक्ष बी. एल. शर्मा, राजस्थान स्वास्थ्य रोग परिषद इन्स्टीट्यूट, में संबोधित करते हुए।

राजस्थान
नेत्र ज्योति
जुलाई - सितम्बर, 2022

डॉक्टर माया टंडन की संस्था ''सहयोग'' द्वारा उनके नेतृत्व में स्वयं आगे आकर हमारे नेत्रदान के कार्य में सहयोग की पेशकश की गई है। उनके द्वारा नेशनल हाईवेज पर स्थित पुलिस थानों के पुलिस कर्मियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, सी. एल. जी. सदस्यों को रोड ऐक्सिडेंट में डेथ रेट कम करने के लिए आयोजित होने वाले प्रशिक्षणों के दौरान यदि समस्त प्रयासों के बाद भी व्यक्ति को नहीं बचा सके तो मृत्यु पश्चात् नेत्रदान करने के लिए प्रेरित करने का आश्वासन दिया है। सोसायटी माया जी का तहे दिल से आभार प्रदर्शित करती हैं।

पखवाड़े के दौरान आई बैंक के सदस्य हॉस्पिटल के वार्ड्स, मोर्चरी, नर्सिंग स्टाफ के साथ बातचीत कर उनके द्वारा किए जा रहे सहयोग के प्रति आभार प्रदर्शित करने के साथ-साथ ही भविष्य में भी इसी प्रकार के सहयोग के लिए उन से चर्चा की गई। एस. एम. एस.

हॉस्पिटल के प्रिंसिपल एवं अधीक्षक का हमेशा ही सहयोग मिलता रहा है, इसी कारण सर्वाधिक कॉर्निया आई बैंक यहीं से एकत्रित करता हैं एवं ट्रांसप्लांट के लिए भी हॉस्पिटल को ही अधिकाधिक निःशुल्क कॉर्निया उपलब्ध करवाए जाते हैं।

प्राइवेट हॉस्पिटल में जहां पर मोरचरी उपलब्ध होती है वहां के डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ का इस कार्य में सहयोग मिल सके तो वहां से कॉर्निया उपलब्ध होने की संभावना अधिक हो जाती है। इसी क्रम में इस बार महात्मा गांधी हॉस्पिटल जहां पहले से ही बैंक का टेक्नीशियन काम करता है डॉक्टर स्वर्णकार ने आगे बढ़कर सभी डॉक्टर्स के साथ नेत्रदान पर हमारे अध्यक्ष श्री बी एल शर्मा को अपनी बात कहने के लिए आमंत्रित किया और दूसरे दिन समस्त नर्सिंग स्टाफ और उससे जुड़े हुए शिवदासपुरा एवं सांगानेर सदर थाने के सभी पुलिसकर्मियों को आमंत्रित कर उनके सहयोग के लिए आई बैंक को अपनी बात कहने का अवसर दिया। उन्होंने यह आश्वासन भी दिया कि आप जिस तरह का भी सहयोग चाहेंगे हमारे सभी डॉक्टर एवं नर्सिंग स्टाफ आपकी मदद के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। इस पखवाड़े के दौरान यह हमारी बड़ी उपलब्धि रही। मनिपाल हास्पिटल से भी इसी प्रकार के सहयोग के प्रयास किए जा रहे हैं।

श्री भूपेन्द्र कुमार दक, डी. जी. जेल के सहयोग से हमने जयपुर, जोधपुर, कोटा एवं उदयपुर जेल में बंदियों को नेत्रदान के महत्व से अवगत करवाया। उन्हें जानकारी दी गई कि नेत्रदान कैसे किया जा सकता है। इससे अधिक पुण्य का कार्य अपने जीवन काल में आप नहीं कर सकते इसलिए अपने जीवनकाल में ही संकल्प पत्र भरकर अपने परिवार को जानकारी दे दें।

रोटरी क्लब ऑर्गन डोनेशन एवं रोटरी क्लब रॉयल द्वारा आई डोनेशन के लिए प्रतिदिन एक पोस्टर रिलीज किया गया जिन्हें राजस्थान एवं गुजरात के सभी रोटरी क्लब को प्रेषित पर नेत्रदान के महत्व से अवगत कराया गया। इनके द्वारा शत प्रतिशत नेत्रदान के लिए संकल्प पत्र भरने का अभियानभी चलाया गया है। रोटरी क्लब ऑर्गन डोनेशन के द्वारा समस्त रोटरी क्लब के सदस्यों के लिए एक अपील जारी की गई कि वे इस कार्य को प्रमोट करने के लिए पोस्टर्स, रैली, विभिन्न स्थानों पर वार्ताएं आयोजित करने का कार्य करें जिससे कि लोगों में नेत्रदान के लिए अवेयरनेस लाई जा सके। आशा है कि विभिन्न रोटरी क्लब्स द्वारा जनचेतना के जो प्रयास पखवाड़े के दौरान किये हैं, इसकी निरंतरता बनी रहेगी। अजमेर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर, बूंदी और झालावाड़ आदि सभी जगह कार्यरत चेप्टरों द्वारा नेत्रदान हेतु रैलियां निकाली गई। विभिन्न संस्थाओं में जाकर जागरूकता के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए एवं संकल्प पत्र भरवाने के कार्य को अभियान के रूप में शुरू किया गया। कोटा में एक अनूठा कार्यक्रम 96 नेत्रदानी परिवारों को सम्मानित कर उनके परिवार के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रेषित की गई।शाईन इंडिया ने झालावाड कलेक्टर एवं एसपी दोनों महिलाओं द्वारा नेत्रदान का संकल्प पत्र भरकर सामान्य जन को प्रेरणा दी गई।

इस बार धार्मिक स्थलों, जैसे जैन साधुओं के प्रवचन के दौरान, भगवान झूलेलाल मन्दिर, बनीपार्क में नेत्रदान-महादान को उनकी धार्मिक आस्थाओं के साथ जोड़ कर समझाने का प्रयास किया गया। सिंधी समाज द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति के लिए नेत्रदान में भागीदार बनने की अपील जारी की गई।

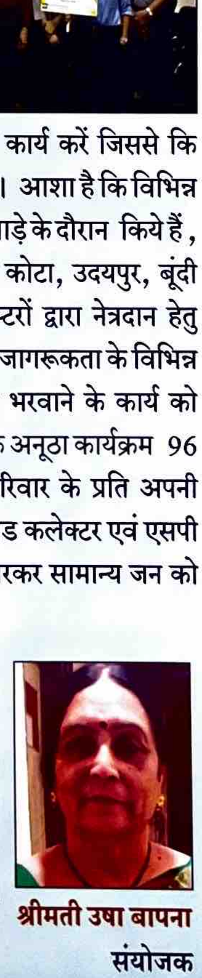

श्रीमती उषा बापना
संयोजक
नेत्रदान जागरूकता अभियान

AWARENESS PROGRAMME AT MGIMS HOSPITAL

This year two awareness programs were held at Mahatma Gandhi Institute of Medical Sciences, Jaipur; the first was with the doctors and the administration and the latter with the nursing/paramedics and the police personnel.

On 2nd September, the EBSR President Sh. B.L. Sharma apprised the doctors and the head of departments with the achievements of the organisation since it's inception, Dr Swarnkar, chairman of the hospital expressed keen interest and offered every possible help to EBSR in order to get maximum cornea from the hospital. Contraindications and technical issues related with eye donation were discussed by the medical director, Dr Garima Agarwal. The HOD, Dr Indu Arora's address mostly centred around technical aspects of keratoplasty. The issue of lacuna of keratoplasty surgeons was also discussed. Dr Swarnkar and the medical Superintendent Dr Gupta expressed a keen desire to be in regular touch with EBSR through follow up sessions, seminars and motivational sessions. Dr Swarnkar offered all possible help of Man, materials and finances to EBSR at any time.

In continuation, on 3rd September, a meeting was held with the nursing, paramedics and police personnel of the hospital. The EBSR member, Smt Anju Jain emphasised that the nursing and the paramedics could play a pivotal role in counselling the family of the diseased for granting consent to donate eyes. Emphasis was laid upon the fact that it was very crucial for the nursing staff to communicate effectively with the technician at the critical time and act aptly. Sh. Suresh Chandra Mehta explained about the importance of the role of the police at the critical time. Films were shown for elaborate explanation.

As already promised by the EBSR President, we eagerly offered to hold motivational and technical sessions for the staff of MG hospital similar to what is done for our staff and much more, as the situation demands. The sessions at Mahatma Gandhi hospital were indeed encouraging and proactive!

-Mrs. Anju Jain

Dr. M. L. Swarnkar, Chairman MGIMS and Dr. Gupta Med. Sup. presenting Memento to Shri B. L. Sharma, President EBSR

Dr. M. L. Swarnkar and Dr. Gupta presenting Memento to Dr. Garima Agarwal Med. Director EBSR

Members of EBSR presenting Memento to Police Thana Incharge for helping in Eye Donation

कोटा चेप्टर

कोटा में 37वें राष्ट्रीय नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा के दौरान आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान कोटा चेप्टर एवम् राजस्थान ऑफ्थलमोलॉजिकल सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में 101 नेत्र दानी परिजनों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में श्री प्रसन्न कुमार खमेसरा (आई.जी. पुलिस), डॉ. के.के. कंजोलिया (अध्यक्ष आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान कोटा चेप्टर एवम् अध्यक्ष राजस्थान ऑफ्थलमोलॉजिकल सोसायटी) डॉ. विजय सरदाना (प्रिंसिपल मेडिकल कॉलेज कोटा), श्री राजेश कृष्ण बिरला, श्री गोविन्द राम मित्तल, डॉ. जगदीश सोनी (चीफ मेडिकल एण्ड हैल्थ ऑफिसर), डॉ. सुरेश पाण्डेय (कॉर्डिनेटर आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, कोटा चेप्टर), डॉ. अशोक मीणा (विभागाध्यक्ष नेत्र रोग विभाग मेडिकल कॉलेज कोटा) नेत्र सर्जन डॉ. महेश पंजाबी, समाज सेवी जी.डी. पटेल, इंजीनियर श्री के.एल. गुप्ता, डॉ. नीरजा श्रीवास्तव, श्री राजेन्द्र अग्रवाल, डॉ. राजेन्द्र चंदेल, सुश्री अनिता चौहान, डॉ. अमित सिंह, टैक्नीशियन श्री टिंकू ओझा सहित अनेकों पदाधिकारियों ने भाग लिया।

राजस्थान ऑफ्थलमोलॉजिकल सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. के.के. कंजोलिया ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि नेत्रदान, अंगदान भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परम्परा है एवम् नेत्रदान के माध्यम से कॉर्निया ब्लाइंडनेस के रोगियों की अंधेरी दुनिया फिर से रोशन हो सकती है। डॉ. कंजोलिया ने बताया कि आई बैंक कोटा चेप्टर ने जुलाई 2022 तक 1247 डोनेशन प्राप्त किये गये जिसमें से 715 जरूरतमंद कॉर्नियल ब्लाइंडनेस से पीड़ित रोगियों को प्रत्यारोपित किये गये। डॉ. कंजोलिया ने प्रदेश में सरकारी मेडिकल संस्थानों में कॉर्निया प्रत्यारोपण की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम के दौरान आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान कोटा चेप्टर के कॉर्डिनेटर डॉ. सुरेश पाण्डेय (नेत्र सर्जन सुवि नेत्र चिकित्सालय कोटा) ने आई डोनेशन भ्रान्तियां एवम् समाधान नामक विषय पर पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन दिया एवं आई डोनेशन की तकनीक को वीडियो के माध्यम से दिखाया। डॉ. सुरेश पाण्डेय ने बताया कि भारत में लगभग 1 करोड़ 80 लाख व्यक्ति अंधता के अभिशाप से ग्रसित हैं। देश में अंधता, दृष्टि बाधिता के पांच प्रमुख कारण मोतियाबिन्द, काला पानी, दृष्टि दोष, रेटिना (पर्दे) की बीमारियां एवं आंख की पारदर्शी पुतली (कॉर्निया) में होने वाले रोग आदि हैं। भारत में कुल अंधता का लगभग 1 प्रतिशत कॉर्नियल ब्लाइंडनेस के कारण हैं। देश के एक लाख बीस हजार लोगों के दोनों आँखों का कॉर्निया अंधता की स्थिति तक खराब है और लगभग दस लाख लोगों के दोनों आँखों का कॉर्निया प्रभावित है, जिसके कारण उन्हें कम दिखता है। लगभग 68 लाख लोगों का एक कॉर्निया प्रभावित है। हर साल लगभग 25-30 हजार लोग कॉर्निया खराब होने के कारण अंधता से ग्रसित हो रहे हैं। इन सबमें से लगभग 50 प्रतिशत लोग कॉर्नियल ट्रांसप्लांट (पारदर्शी पुतली के प्रत्यारोपण) द्वारा रोशनी वापस प्राप्त कर सकते हैं। हर वर्ष कम से कम एक लाख पचास हजार कॉर्निया की आवश्यकता है, परन्तु प्रतिवर्ष 40-45 हजार के लगभग ही नेत्रदान हो पाते हैं।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों द्वारा नेत्रदान जागरूकता पोस्टर का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन गोपाल सोनी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के उपरान्त स्नेहभोज का आयोजन भी रखा गया जिसमें 300 से अधिक अतिथियों ने सहभोज किया। कार्यक्रम के अंत में इंजीनियर श्री सुरेश सेडवाल द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान ऑफ्थलमॉलोजिकल सोसायटी के डॉ. संदीप विजय, डॉ. प्रतुल त्यागी, डॉ. हर्षुल टॉक का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में डॉ. कुलवंत गौड़ का भी सहयोग रहा।

केन्द्रीय कारागृह कोटा में जेल स्टाफ एवं बंदियों के बीच नेत्रदान जागरूकता अभियान

दिनांक 30 अगस्त को नेत्रदान महादान का संकल्प लेते हुए केन्द्रीय कारागृह कोटा के बंदियों एवं जेल स्टाफ द्वारा नेत्रदान करने का संकल्प लिया गया। नेत्रदान जागरूकता पर व्याख्यान देते हुए डॉ.

के.के. कंजोलिया एवं डॉ. सुरेश पाण्डेय ने नेत्रदान की आवश्यकता पर बल दिया। संस्था द्वारा नेत्रदानियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। जेल अधीक्षक श्री परमजीत सिंह सिद्धू ने नेत्रदान का संकल्प लेते हुए सभी बंदियों को इस पवित्र कार्य के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान राजस्थान ऑफ्थलमॉलोजिकल सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. के.के. कंजोलिया एवं नेत्र सर्जन डॉ. सुरेश पाण्डेय एवं उप अधीक्षक बंशीलाल सहित अन्य स्टाफ उपस्थित थे।

जे.डी.बी. कॉलेज की 72 छात्राओं एवम् फैकल्टी सदस्यों ने नेत्रदान का संकल्प लिया

राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के समापन के अवसर पर आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, कोटा चेप्टर एवम् राजस्थान नेत्र सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम जानकी देवी बजाज आर्ट्स कॉलेज, कोटा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 72 छात्राओं एवम् फैकल्टी सदस्यों द्वारा नेत्रदान करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. सुरेश पाण्डेय ने आई डोनेशन भ्रान्तियां एवम् समाधान नामक विषय पर पॉवर पॉइंट प्रेज़ेंटेशन दिया एवं आई डोनेशन की तकनीक को वीडियो के माध्यम से दिखाया। कार्यक्रम में आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान कोटा चेप्टर के अध्यक्ष डॉ. कृष्ण कुमार कंजोलिया, सचिव डॉ. सुरेश सेडवाल कंजोलिया, जानकी देवी बजाज आर्ट्स कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. सविता कौशिक, प्रोफेसर धर्मवीर सिंह गोयल, प्रोफेसर मोहम्मद रिजवान, प्रोफेसर प्रमिला सक्सेना सहित अनेकों फैकल्टी सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर धर्मवीर सिंह मीणा एवम् प्रोफेसर मोहम्मद रिजवान द्वारा किया गया।

डॉ. के. के. कंजोलिया
अध्यक्ष, कोटा चेप्टर

सरदारशहर में नेत्रदान जागरूकता अभियान

नेत्रदान है महादान इसे अपना कर हम किसी नेत्रहीन व्यक्ति के जीवन में रोशनी ला सकते हैं। इससे बड़ा कोई धर्म हो नहीं सकता। उक्त विचार 37वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के अन्तर्गत गुरूवार को इन्डियन बैंक के शाखा प्रबन्धक हेमराज गजरा ने सरस्वती विद्यालय शिक्षण संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में नेत्रदान जनजागरण अभियान द्वारा नेत्रदान के पोस्टर का विमोचन करते हुए व्यक्त किये । उन्होने कहा कि यदि देश के 10 प्रतिशत लोग भी मरणोपरांत नेत्रदान अपना लें तो कॉरनिया की कमी से नेत्रहीनता से ग्रस्त लोगों का जीवन रोशन हो सकता है । नेत्रदान जनजागरण अभियान के जिला संयोजक एवं आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के प्रतिनिधि डॉ.गणेशदास स्वामी ने नेत्रदान के बारे मे विस्तृत जानकारियां दी । सरस्वती विद्यालय के विकास सैनी,फूसाराम स्वामी,सुरेशकुमार मेघवाल,अध्यापिका सुलोचना,खुशबु पांडे,टीना सैनी,मीना शर्मा,मोहित, सम्पत,ज्योति ने भी नेत्रदान पर विचार व्यक्त किये ।इस अवसर पर आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान जयपुर एवं जिला प्रशासन व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग चूरू द्वारा मुद्रित प्रचार सामग्री वितरित की गई ।

डॉ. गणेशदास स्वामी
सरदारशहर

Ajmer Chapter

Following activities for promotion of Eye Donation were undertaken by the Ajmer Chapter :

- Meeting in the Hospital & subsequently Rally was organised by J.L.N. Medical College, Ajmer to promote the cause and Vimochan of Posters made by Resident Doctors was done. Vice Principal, Suptd., HOD & Retd. HOD's were present along with about 60 Residents & OA. It was attended by President & Secretary, Bharat & Kuldeep.

- A promotional programme by Eye Bank, Ajmer Chapter along with Lions Club was done in Govt. Hospital, Kuchman City, Nagor on 27.8.2022.

  A promotional programme with Anganwadi Staff was done in Govt. Hospital, Sarwad.

  Following promotional programmes were done by Ajmer Chapter :-

- Along with Doctors & Nursing Staff was done in Govt. Hospital, Nasirabad and with School Students & Staff of Radhika Sr. Sec. School, Balwanta.

- Press conference was organised with reporters of all News Papers & Channels etc. which was successful & which was followed by a meeting of several active members of various NGOs & Organizations like Lions, Rotary, Bharat Vikas Parishad, Jain Social Group, Railway Hospital & St. Francis Hospital & Several others from Ajmer & even outside Ajmer, like Kishangarh, Beawar, which was organised at Indoor Stadium, Ajmer on 30.9.2022 to promote Eye Donation & give them a message that we all collectively need to do much more so that more Eye Donors can be motivated.

- A programme was organised in Beawar by Shri S.N. Sharma with Sindhi Samaj and by Christian Samaj at St. Joseph Church, Parbatpura, Ajmer along with RCD Samaj Sevi Sanstha.

- Rally was organised by Y.N. Hospital, Kishangarh. It was attended by Doctor's Paramedical Staff & members of Bharat Vikas Parishad etc. Several Donor cards were filled by Doctors & Staff.

- School Students & Staff on Karni Kripa Sr. Sec. School, Lohagal, Ajmer

- At Police Training Centre, Kishangarh in which about 100 trainees were present. The program was coordinated by Sh. Satyendra Ji & Sh. Ravindra Ji. All Eye Bank Members along with Grief Counsellors were present.

- Rally was taken out by Govt. Hospital, Masuda along with School Students & Staff of Govt. Sr. Sec. School, Masuda.

- During this Pakhwada all promotional Boards at different Cremation places were redone & repainted.

We also plan to have a big function in which Donor families will be honoured.

Ravi Toshniwal
President - Ajmer Chapter

उदयपुर चेप्टर

उदयपुर में राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के अन्तर्गत आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान चेप्टर उदयपुर एवं नेत्र रोग विभाग महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय उदयपुर द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

- महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय उदयपुर के ओ.पी.डी. में जगह-जगह बैनर लगवाए गए। लगभग 85 लोगों से संकल्प पत्र भरवाएं गए साथ ही मरीजों एवं उनके रिश्तेदारों को नेत्रदान के बारे में समझाया गया।
- महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय उदयपुर के ओपीडी में सेल्फी पॉइंट बनाया गया एवं सभी स्टाफ द्वारा सेल्फी ली गई। नेत्र रोग विभाग में रजिस्ट्रेशन काउंटर बनाया गया जहां पर पम्पलेट बांटकर नेत्रदान के बारे में समझाया गया।
- सेन्ट्रल जेल के अन्तर्गत आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान चेप्टर उदयपुर के सहयोग से नेत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा कैदियों की आँखों की जाँच की गई एवं फ्री दवाइयां दी गई तथा पम्पलेट बांटकर नेत्रदान के बारे में समझाया गया।
- नेत्र रोग विभाग, महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान चेप्टर उदयपुर, ऑफ्थलमोलॉजी सोसायटी, रोटरी क्लब, मीरा, रोटरी क्लब, वसुधा, महावीर इन्टरनेशनल, रविन्द्रनाथ टैगोर आयुर्विज्ञान महाविद्यालय के कई वरिष्ठ चिकित्सकों, मेडिकल स्टूडेंट्स एवं कई गणमान्य लगभग 200 लोगों के सहयोग से नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली का आयोजन किया गया। साथ ही 109 नेत्रदान संकल्प पत्र भरवाए गए। नेत्रदान के महत्त्व के बारे में समझाया गया। इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक, रविन्द्रनाथ टैगोर आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, डॉ. लाखन पोसवाल, विभागाध्यक्ष, नेत्र रोग विभाग महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय के डॉ. अशोक कुमार बैरवा, प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक मेडिकल कॉलेज सिरोही के डॉ. ललित रेगर, प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक मेडिकल कॉलेज चित्तौड़गढ़ के डॉ. विजय गुप्ता, ऑफ्थलमोलॉजी सोसायटी उदयपुर के अध्यक्ष डॉ. जे.पी. आत्रेय, आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान चेप्टर उदयपुर के अध्यक्ष एस.एम. पोरवाल, समाज सेविका मधु सरीन ने सम्बोधित किया एवं रैली में भाग लिया। साथ ही आई बैंक सोसायटी उदयपुर के काउंसलर रेखा जीनगर, एस.के. सिंघवी, वर्धमान मेहता, बी.एस. बंब, डॉ. पुखराज सुखलेचा एवं कई मेम्बर उपस्थित थे।

- अनन्ता हॉस्पिटल एवं मेडिकल कॉलेज में नेत्र रोग विशेषज्ञों द्वारा नेत्र रोग विभाग महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय उदयपुर के नेत्रदान जागरूकता पोस्टर लगवाए गए एवं नर्सिंग स्टूडेंट एवं मेडिकल स्टूडेंट के मध्य वार्ता तथा क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया साथ ही आने वाले मरीजों एवं उनके रिश्तेदारों को नेत्रदान के बारे में समझाया गया।

- डॉ. अशोक कुमार बैरवा की आकाशवाणी उदयपुर तथा रेडियो एफ.ए. 92.7 पर नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत बहुत ही महत्त्वपूर्ण जानकारियां दी गई एवं भ्रान्तियां दूर की गई। विद्या भवन पॉलिटेक्निक कॉलेज में आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान चेप्टर उदयपुर, वरिष्ठ आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, नेत्र रोग विभाग डॉ. अशोक कुमार बैरवा द्वारा रोटरी क्लब, उदयपुर, वसुधा एवं हंजा बाई सुखलेचा ट्रस्ट के डॉ. पुखराज सुखलेचा के सहयोग से सभी स्टूडेंट एवं स्टाफ के मध्य नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में टेक्नीशियन नवीन कुमार जीनगर, फूलचंद, प्रधानाध्यापक अनिल मेहता एवं कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया।
- नेत्र रोग विभाग महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय उदयपुर, हंजा बाई सुखलेचा ट्रस्ट के डॉ. पुखराज सुखलेचा, आई बैंक सोसायटी उदयपुर एनाटोमी विभाग, रविन्द्रनाथ टैगोर आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, उदयपुर आई बैंक सोसायटी उदयपुर एवं रविन्द्रनाथ टैगोर आयुर्विज्ञान महाविद्यालय उदयपुर के कई वरिष्ठ चिकित्सकों, मेडिकल स्टूडेंट एवं कई गणमान्य लगभग 150 लोगों के सहयोग से फतेहसागर की पाल पर प्रातः 7.00 बजे नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली का आयोजन किया गया।
- पर्युषण के पर्व पर जैन समाज के व्याख्यान स्थान पर जाकर नेत्रदान के बैनर लगवाए गए एवं पम्पलेट बांटे गए।
- मुस्कान क्लब में वरिष्ठ नागरिकों को नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत बहुत ही महत्त्वपूर्ण जानकारियां दी गई एवं भ्रान्तियां दूर की गई। नेत्रदान के बैनर लगवाए गए एवं पम्पलेट बांटे गए।

समापन कार्यक्रम के अन्तर्गत महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय के ओपीडी में सभी स्टाफ मेम्बर, पीजी, मेडिकल स्टूडेंट, नर्सिंग स्टाफ, डीओटी एवं उपस्थित मरीजों एवं उनके रिश्तेदारों को नेत्रदान को बढ़ावा हेतु अपील की गई।

एस.एम. पोरवाल
अध्यक्ष
उदयपुर चेप्टर

भीलवाड़ा चेप्टर

भीलवाड़ा में श्री राकेश पगारिया तथा राम स्नेही चिकित्सालय के डॉ. सुरेश भदादा ने जागरूकता अभियान चलाया।

भीलवाड़ा में 12 लायन्स क्लब हैं उन सभी के अध्यक्ष, उपाध्याक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष को कार्यक्रम आयोजित कर उसमें नेत्रदान के बारे में संपूर्ण जानकरी प्रदान की गई और सभी से अधिकाधिक नेत्रदान के लिए कार्य करने के लिए कहा गया। सभी ने आश्वासन दिया की है इस कार्य में हर सम्भव प्रयास कर आवश्यक सहयोग करेंगे।

प्रत्येक शुक्रवार को लायंस क्लब द्वारा आयोजित निशुल्क नेत्र शिविर के अंदर आई बैंक द्वारा नेत्रदान के संबंध में संपूर्ण जानकारी वाले कैरी बैग छपवाकर सभी रोगियों एवं उनके सहयोगियों को प्रचार प्रसार हेतु दिए जाते हैं। इस पखवाड़े में भी वितरित किये गये।

विभिन्न समाज सेवी संस्थाओं बिजयनगर, भीलवाड़ा के सदस्यों के साथ नेत्रदान के बारे में जानकारी प्रदान कर जागृति लाने हेतु अपील की गई। समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित निशुल्क केलीपर्स एवं साइकिल वितरण समारोह में 900 व्यक्तियो को भोजन के पैकेट लायन्स क्लब द्वारा वितरित पैकेटस पर नेत्रदान के स्टीकर लगा कर के सभी को प्रदान किए गये।

विजय नगर तथा भीलवाड़ा की विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं के सदस्यों के बीच नेत्रदान के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

राकेश पगरिया

जोधपुर चेप्टर

- नेत्र दान प्रोत्साहन हेतु नेत्र दान पखवाड़ा (25अगस्त से 8 सितम्बर) के तहत जोधपुर सेन्ट्रल जैल में मोटीवेशन कार्यक्रम किया गया। आई बैंक ऑफ सोसायटी राजस्थान , जोधपुर चेप्टर द्वारा मोटिवेशनल डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। आई बैंक के जोधपुर के अध्यक्ष राजेन्द्र जैन द्वारा आई बैंक की पूरी कार्य प्रणाली डॉक्यूमेंट्री द्वारा समझाई गई। श्री जैन ने यह भी बताया कि कैसे,कब व कौन नेत्र दान कर सकता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रोटरी इंटरनेशनल के निवर्तमान प्रांतपाल संजय मालवीय ने उपस्थित लोगो से नेत्र दान सेवा से जुड़ कर लोगो को अंधत्व निवारण में सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जैल अधीक्षक श्री राजपाल सिंह ने कैदियों व स्टाफ को नेत्र दान के लिए प्रोत्साहित करते हुए मरणोपरांत नेत्र दान की शपथ दिलाई। पुखराज अग्रवाल, राजीव दुबे, आकाश मेहता के अलावा रोटरी क्लब के अध्यक्ष वेद प्रकाश पित्ती,लायन्स क्लब के अध्यक्ष जगदीश सोनी तथा मथुरादास माथुर अस्पताल के नेत्र विभाग की डा प्रियंका व निर्मल ने भाग लिया।

- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर व आई बैंक जोधपुर चेप्टर के संयुक्त तत्वाधान में रेली का आयोजन किया गया। तीन किलोमीटर तक निकाली गई इस रेली में एम्स के नेत्र विभाग की डॉ. श्रीमती कविता भटनागर, डा निखिल अग्रवाल व कई अन्य चिकित्सको सहित संस्थान के नेत्र विभाग, पैरामेडिकल स्टाफ, स्टूडेंट्स ने भाग लिया। इस रेली को एकेडमिक डीन डा. कुलदीप सिंह ने हरी झंडी दिखा कर शुरू किया।
- जोधपुर सेन्ट्रल जेल अधीक्षक श्री राजपाल सिंह के सहयोग से जेल प्रशासन के सौजन्य से आई बैंक द्वारा रोटरी इंटरनेशनल के निवर्तमान प्रांतपाल के मुख्य आतिथ्य व रोटरी, लायन्स क्लब के अध्यक्षों रो. वेद प्रकाश पित्ती, ला. जगदीश सोनी की उपस्थिति में आयोजित किया गया। लगभग 2400 कैदियों को डॉक्यूमेंट्री दिखा कर नेत्र मित्र बनने को प्रोत्साहित किया गया।
- नेत्र दान प्रोत्साहन हेतु जोधपुर शहर में स्थित विभिन्न चिकित्सालयों जैसे तारा बाई देसाई नेत्र चिकित्सालय, चक्षु सेवा समिति द्वारा संचालित तीन चिकित्सालय, सेंटर फोर साइट अस्पताल, नवजीवन अस्पताल, प्रेक्षा अस्पताल मे नेत्र दान जागरूकता व प्रोत्साहन हेतु बोर्ड प्रदर्शित किए गए तथा इन अस्पतालों में मरीजों के लिए जारी किए जाने वाले प्रिस्क्रिप्शन के साथ आई बैंक के पैंपलेट्स स्टेपल करने शरु किए गए।
- राजकीय कन्या महाविद्यालय, मगरा पूंजला में भेड़ ऊन विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सोलंकी व जोधपुर नगर निगम के आतिथ्य में नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित किया। नेत्र दान पर डॉक्यूमेंट्री दिखा कर उपस्थित बच्चों व अध्यापकों को ज्योति मित्र बनने का आह्वान किया गया।
- मंडोर रोड स्थित राजस्थान पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में नेत्र दान में पुलिस की भूमिका पर चर्चा करते हुए डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखा कर व प्रश्नोत्तर के द्वारा नेत्र मित्र बनने हेतु प्रोत्साहित किया गया। डा. संजीव देसाई ने स्लाइड्स दिखा कर नेत्र दान जागरूकता का प्रयास किया।
- एम्स जोधपुर के सोशोलोजी विभाग के मख्या डा. पंकज भारद्वाज के आग्रह पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।
- उपरोक्त सभी आयोजनों में आई बैंक जोधपुर चेप्टर के श्री पुखराज अग्रवाल, श्री दामोदर कंसारा, श्री आकाश मेहता, श्री जगरूप भंडारी, श्री राजीव दुबे का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

डॉ. राजेन्द्र जैन
अध्यक्ष, जोधपुर चेप्टर

पाली चेप्टर

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के पाली चेप्टर द्वारा नेत्रदान के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से 25 अगस्त से 8 सितम्बर तक 37वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा बहुत उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस दौरान अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पाली शहर में नेत्रदान कार्यक्रम की अग्रणी संस्था आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, पाली चेप्टर तथा जिले के सबसे बड़े एवं मेडिकल कॉलेज से सम्बन्धित बांगड़ अस्पताल में नेत्र विभाग के सहयोग से नेत्रदान में जन जागरूकता लाने के लिए एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार नेत्र रोग विभाग के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सी.एस. व्यास, सह आचार्य डॉ. विपुल नागर, नेत्र विशेषज्ञ डॉ. महेश, नेत्र विशेषज्ञ डॉ. योगेन्द्र एवं एम.बी.बी.एस. छात्र एवं छात्राएं रिद्धि मिश्रा, खुशी सिंह, रौनक अब्बानी के नेतृत्व बहुत सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। आई बैंक के पदाधिकारियों की सक्रिय भागीदारी से यह आयोजन सफल रहा।

विभाग प्रमुख डॉ. व्यास ने सभी छात्रों को नेत्रदान प्रक्रिया और महत्त्व के बारे में जानकारी दी। वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ. विपुल नागर ने विश्व में चल रहे नेत्र प्रत्यारोपण के सम्बन्ध में आधुनिक जानकारी से सभी को अवगत कराया और बताया कि एक व्यक्ति नेत्रदान करके दो लोगों की जिन्दगी में उजाला ला सकता है। दान में दिए जाने वाले कॉर्निया में पांच परतें होती हैं, परतों को दो हिस्सों में बांटा जा सकता है। कॉर्निया की सबसे भीतरी लेयर को किसी कारणवश क्षति पहुंचती है तो पूरा कॉर्निया ही प्रत्यारोपित किया जाता है।

आई बैंक पाली चेप्टर के अध्यक्ष हुक्मीचंद मेहता ने कहा कि मरने के बाद आँखों को जला कर राख करने की बजाय दान कर हम निश्चित रूप से दो जनों के अंधेरे जीवन में रोशनी लाने का पुनीत कार्य कर सकते हैं। वर्तमान में नेत्रदान में जितनी संभावनाएं हैं, उसका दस प्रतिशत कॉर्निया भी नेत्रदान के रूप में प्राप्त नहीं होता है। इसके लिए समाज में इस पुनीत कार्य के प्रति अधिक जागरूकता लाने का प्रयास करना होगा। अध्यक्ष मेहता ने सकारात्मक सोच विकसित कर युवाओं के माध्यम से गोष्ठी में उपस्थित सभी को इस पुनीत कार्य में सहयोग हेतु कहा।

आई बैंक पाली चेप्टर के सचिव केवलचंद कवाड़ ने बताया कि मरने के बाद किन लोगों का नेत्रदान किया जा सकता है और किनका नहीं किया जा सकता एवं नेत्रदान प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। आई बैंक पदाधिकारियों ने इस अवसर पर बांगड़ अस्पताल के प्रमुख वार्डों में प्रेरणास्पद पम्पलेट भी वितरित किये।

सेमिनार में आई बैंक की ओर से आई बैंक के पदाधिकारी अध्यक्ष हुक्मीचंद मेहता, सचिव केवलचंद कवाड़ के अलावा भंवरलाल सेमलानी, रोशन नाहर, आई टेक्नीशियन राजेन्द्र गुर्जर एवं सभी डॉक्टर्स एवं एम.बी.बी.एस. मेडिकल छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया।

हुकमीचंद मेहता
अध्यक्ष – पाली चेप्टर

बूंदी, बारां, झालावाड़ चेप्टर

इस वर्ष 37वां राष्ट्रीय नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा कार्यक्रम आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के बीबीजे चेप्टर एवं शाइन इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से हाड़ौती संभाग के तीनों जिले बूंदी, बारां और झालावाड़ में मनाया गया।

झालावाड़: इसी क्रम में झालावाड़ जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती रिचा तोमर ने अपने–अपने नेत्रदान के संकल्प पत्र भरे। उन्होंने यह भी विश्वास दिलाया कि नेत्रदान के कार्य को जिला स्तर पर सभी घरों तक पहुंचाने के लिए पुलिस विभाग द्वारा हर संभव मदद की जाएगी।

झालावाड़ जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित एवं जिला पुलिस अधीक्षक रिचा तोमर नेत्रदान का संकल्प पत्र भरते हुए।

25 अगस्त को नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा के शुभारम्भ पर सीएमएचओ कोटा के कार्यालय में सीएमएचओ डॉ. जगदीश सोनी द्वारा नेत्रदान लेने से पूर्व दिवंगत के साथ क्या सावधानी रखनी चाहिए, उस संदर्भ में एक पोस्टर का विमोचन हुआ।

बूंदी: जागरूकता पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत ही बूंदी जिले में राजकीय विद्यालयों के स्काउट एण्ड गाइड शिविर में 300 से अधिक छात्र–छात्राओं को नेत्रदान से सम्बन्धित जानकारी विस्तार से दी। बच्चों को पम्पलेट बांटे गए और कार्यशाला के अन्त में फलों का वितरण भी किया गया।

बारां : बारां जिले में नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत नेत्र चिकित्सा शिविर एवं नेत्रदान संकल्प शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 43 शहरवासियों ने अपने नेत्रदान के संकल्प पत्र भरे थे।

नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत हाड़ौती संभाग में 14 दिनों के पखवाड़े के दौरान 8 नेत्रदान सम्पन्न हुए हैं जिसमें शहर की सभी सामाजिक संस्थाओं का सहयोग रहा है।

डॉ. कुलवंत गौड़
अध्यक्ष – बीबीजे

अलवर चेप्टर

आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान, चैप्टर अलवर द्वारा राष्ट्रीय नेत्रदान जागरूकता पखवाड़े के अंतर्गत 25 अगस्त को अलवर के आकाशवाणी केंद्र पर नेत्रदान विषय पर रिकॉर्डिंग करवाई गई इसमें आई लव माय आईज की थीम पर विशेष रूप से जानकारी दी गई।

सर्व प्रथम नेत्र सुरक्षा के प्रमुख सूत्र बताए गए- जैसे चलते भागते हिलते डुलते वाहनों में पढने से बचना चाहिए। पढ़ते समय संतुलित प्रकाश की व्यवस्था होनी चाहिए। पढ़ते लिखते समय कागज से नेत्रों की कम से कम दूरी 35 सेंटीमीटर और छोटे बच्चों में 30 सेंटीमीटर होनी चाहिए। इस प्रकार के करीब 20 सूत्र बताए गए।

इसी क्रम में नेत्र ज्योति रक्षक तथा नेत्र ज्योति वर्धक व्यायाम तथा योग एवं प्राणायाम के बारे में जानकारी दी गई।

अंत में नेत्रदान कैसे किया जाता है? उसमें आप कैसे सहयोग कर सकते है? आप की क्या भूमिका है? नेत्रदान कैसे करें, क्या प्रक्रिया है, कौन नेत्रदान कर सकता है? और कौन नेत्रदान नहीं कर सकता है आदि विषय पर सारगर्भित सरल व स्पष्ट शब्दों में, प्रेरित करने के उद्देश्य से समस्त जानकारी दी गई।

दिनांक 26 अगस्त को नेत्रदान जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का आयोजन करीब 1 सप्ताह पूर्व ही नर्सिंग कॉलेज के बच्चों के साथ करना तय था लेकिन किसी मजबूरी से निरस्त होने के कारण स्काउट गाइड प्रशिक्षण केंद्र से बच्चों को राजकीय राजीव गांधी सामान्य चिकित्सालय अलवर से रैली प्रारम्भ की। सीए श्री वैभव विजय , स्काउट मास्टर श्री ठाकुर ,श्री लाल मीणा तथा स्काउट मास्टर श्री संतोष कुमार पारीक तथा चैप्टर कोऑर्डिनेटर डॉ हर्ष कुमार शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

राजकीय राजीव गांधी सामान्य चिकित्सालय अलवर से जनाना अस्पताल, पुराना कटला होती हुई होप सर्कस तक निकाली गई। करीब-करीब सभी बच्चे हाथों में नेत्रदान संबंधी नारे तथा नेत्रदान के लिए टोल फ्री नंबर की तख्तियां लेकर पूरे रास्ते नारे लगाते हुए चले। रैली में नेत्रदान दिव्यांग एवं वृद्ध जन सेवा समिति के श्री विशाल विजय ,भूमेश विजय श्री हरीश अरोड़ा सहित अन्य गणमान्य लोग भी साथ थे। रैली में लगभग 100 की संख्या में बच्चों ने भाग लिया। रैली में बैनर, तख्तियों, साउण्ड सिस्टम, माइक, ओटो का प्रयोग किया गया। करीब 2000 पंपलेटस का वितरण किया गया।

सभी बच्चों को पानी की बड़ी बोतल ,बिस्कुट के पैकेट ,और केलों का वितरण किया गया। आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान के चैप्टर अलवर के बैनर तले निकाली गई। 28 अगस्त 2022 के अलवर पत्रिका और अलवर भास्कर दोनों में समाचार छपा।

डॉ. हर्ष कुमार शर्मा
कोर्डिनेटर, अलवर

नेत्रदान के लिये लघु नाटक

"तमसो मा ज्योतिर्गमय"

लेखक – निदेशक : एम.पी. वर्मा

दिव्यांग व्यक्ति (गीत गाते हए) – जाने वालो...... जरा मुड़ के देखो इधर एक इंसान हूँ मैं........ तुम्हारी तरह (जाता है)

डमरू वाली बाई – (डुगडूगी बजाते हुए) ओ भाई साब, ओ बहन जी, ओ काकाजी, सुन रहे हो ? (जमूरा ढोल बजाता है।)

दर्शक – हाँ–हाँ सुन भी रहे हैं और देख भी रहे हैं।

डमरू वाली बाई – तकदीर वाले हो भाई साब जो देख भी रहे हो, (डुगडूगी बजाती है) (जमूरा ढोल बजाता है) हाँ तो भाई साहब, मेहरबान, कदर दान, समयदान, अनुदान, रक्तदान, नेत्रदान।

दर्शक–1 – अरे ओ बाई! कुछ भी उटपटांग मत बोल, सारे दान तो ठीक हैं, लेकिन यह नेत्रदान क्या होता है?

डमरू वाली बाई – अपनी आँखों का दान देकर, किन्हीं दो ज्योति हीन की जिंदगी को रोशन कर देना, यह है नेत्रदान, तो बजाओ ताली (डुगडूगी बजाती है) (जमूरा ढोल बजाता है)।

दर्शक–1 – (हँसते हुए) और खुद अन्धे बन जाओ, वाह, बड़ी अच्छी स्कीम लाई हो बाई।

डमरू वाली बाई – नहीं भाई साहब, यदि किसी की मृत्यु होती है तो उसके परिवार वाले मृत व्यक्ति के नेत्रदान कर सकते हैं जिससे दो दृष्टिहीनों को दृष्टि मिल सकती है और दानदाताओं को पुण्य मिलेगा। (जमूरा ढोल बजाता है)

दर्शक–2 – और कौन–कौन कर सकता है नेत्रदान?

डमरू वाली बाई – कोई भी स्त्री, पुरुष, बच्चा स्वेच्छा से मृत्यु पश्चात् नेत्रदान का सहमति पत्र दे सकता है, इससे मृत्यु के पश्चात् भी उसकी आँखें काम आ सकती हैं।

दर्शक–2 – इसमें पूरी आँख निकालते हैं क्या?

डमरू वाली बाई – नहीं, नहीं, बिल्कुल नहीं, आँख में से सिर्फ झिल्लीनुमा कॉर्निया निकाला जाता है। चेहरे में कोई विकृति भी नहीं आती है।

दर्शक–2 – बीमार मृत व्यक्ति का भी नेत्रदान हो सकता है क्या?

डमरू वाली बाई – हाँ जी हाँ बिल्कुल हो सकता है लेकिन एक दूसरे से फैलने वाली बीमारी के मरीज नेत्रदान नहीं कर सकते जैसे – एड्स, रेबिज, हैपेटाइटिस बी या सी।

दर्शक–3 – नेत्रदान मृत्यु के कितने समय में हो जाना चाहिए?

डमरू वाली बाई – बहुत अच्छा सवाल किया है आपने, बजाओ ताली। हाँ तो साहब मृत्यु के 4 से 6 घंटे के बीच नेत्रदान हो जाना चाहिए।

दर्शक–3 – तो इसके लिए मृत शरीर को अस्पताल लेकर जाना पड़ेगा क्या?

डमरू वाली बाई – बिल्कुल नहीं, आई बैंक सोसायटी के किसी भी सदस्य को फोन कर दो, वहाँ से तुरन्त अनुभवी लोगों की टीम आकर इस कार्य को कर देगी।

दर्शक–3 – इसमें तो टाइम बहुत लगता होगा?

डमरू वाली बाई – ना जी ना, टीम आने के बाद 10–15 मिनट में यह कार्य हो जाता है।

दर्शक–4 – बाईजी! नेत्रदान के पहले और बाद में क्या–क्या सावधानियां रखनी चाहिए?

डमरू वाली बाई – देखो जी, जब तक आई बैंक सोसायटी की टीम नहीं आती है, तब तक सिर को 6 इंच के करीब ऊँचा कर देना चाहिए, आँखों पर गीली पट्टी रखनी चाहिए। थोड़ी–थोड़ी देर में एन्टीबायोटिक दवा की बूंदें डालते रहना है जिससे संक्रमण का खतरा नहीं रहता है। हाँ एक बात और पंखा तो बिल्कुल नहीं चलाना है।

दर्शक–4 – अच्छा, यह बात तो हुई नेत्रदान के पहले की, अब उसके बाद भी कोई सावधानी रखनी है क्या?

डमरू वाली बाई – हाँ जी, हाँ बिल्कुल रखनी है, जैसे कॉर्निया निकालने के बाद आँखों को रुई से ढक देना चाहिए और सिर को 5–6 इंच के करीब ऊंचा कर देना चाहिए।

दर्शक–5 – इसकी कोई फीस होती है क्या?

डमरू वाली बाई – ना जी ना, बिल्कुल नहीं यह शुद्ध परमार्थ का काम है। इसीलिए इसे दान कहा है **'नेत्रदान'**

दर्शक–5 – बाई दिखने में तो तुम अनपढ़ लगती हो लेकिन इतना सब कैसे जानती हो ?

डमरू वाली बाई – (हँसती है) बिल्कुल सही कहा आपने। ये भेष हमने आप लोगों तक अपनी बात पहुँचाने के लिए रखा है, वैसे हम सब रंगकर्मी हैं और जन जाग्रति लाने के लिए जगह–जगह पर जाकर नाटक करने का संकल्प लिया है। आप भी इस पावन कार्य में सहयोगी बनें और किसी की जिंदगी को रोशन करें।

दिव्यांग – ठहरो बाई, मेरे जीवन को भी रोशन किया है किसी के नेत्रदान ने, दिल से बस यही दुआ निकलती है।

(गीत)

रहें स्वर्ग में नेत्रदान करने वाले–2, दुआ कर रहे हैं नेत्र लेने वाले
रहें स्वर्ग में नेत्रदान करने वाले, तेरे नेत्र थे तेरे जीवन के साथ भी–2
तेरे नेत्र हैं तेरे जीवन के बाद भी–2, हम भी बनेंगे नेत्रदान वाले–2
किन्हीं के अंधेरों के खोलेंगे ताले–2, रहें स्वर्ग में नेत्रदान करने वाले।

डमरू वाली बाई – तो सब मिलकर बोलें "नेत्रदान–महादान" (सभी कलाकार गोल–मोल घूमते हुए निरन्तर गाते हैं)

नेत्रदान–महादान (पर्दा गिरता है)

प्रथम मंचन का पात्र परिचय :

दिव्यांग - एस.पी. वर्मा, डमरू वाली बाई - मोती बिष्ट, जमूरा - सागर/अभिषेक, दर्शक - अनुराग मोदानी, मोनिका वर्मा, उर्मिला शर्मा, महेश चांडक, डॉ. कल्पना वर्मा।

नेत्रदान यानि नेकदान

– डॉ. तुषार जागावत 'सादगी)
मनोकवि, मनोचिकित्सक, जयपुर

बड़े पुण्य का काम है, मरने के बाद जिन्दगी दे दो।
सफल हो जाएगी मृत्यु, अंधेरों को रोशनी दे दो।।
जिंदा रहेंगी आपकी आँखें, जिंदा रहेंगी यादें।
मजबूत कर लो इरादे, नेत्रदान के करो वादे।।
बस जाओगे दिल में, बस जाओगे नई आँखों में।
उड़ने दो अपने विजन को, मत बांधो सलाखों में।।
नेत्रहीन मासूम, मजबूर जैसे पंखहीन परिंदें होते हैं।
नेत्रदान करने वाले तो, ईश्वर के नेक बंदे होते हैं।।
आइये सब मिलके, नेत्रदान को एक परम्परा बनायें।
घने अंधेरे नेत्रों में, उम्मीद का एक उजाला जगायें।।
"नेत्रदान" यानि "नेकदान", एक जीवन की ज्योति है।
इस संकल्प में परिवार, समाज की रजामंदी होती है।।

गीत, संगीत, नुक्कड़ नाटक से नेत्रदान का संदेश फलायें।
नेत्रदानियों का सादर श्रद्धांजलि से मान, सम्मान बढ़ायें।।
आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान ने उठाया है बीड़ा।
फरिश्ते हैं वे लोग, जिन्होंने सूरदासों की समझी है पीड़ा।।
25 अगस्त से 8 सितम्बर तक है नेत्रदान पखवाड़ा।
जनजागरूकता के लिए ही है ये नेकदान पखवाड़ा।।
नेत्रदानी–नेकदानी इस दुनिया में दो जीवन जीता है।
यही कर्म, यही धर्म है, यही कुरान, यही तो गीता है।।
जीते जी भरपूर लिया हमने इस समाज से।
नेत्रदान का पावन संकल्प लेते हैं आज से।।
जो आया है, वो जायेगा, यही विधान है सृष्टि का।
नेत्रदान परिचायक है आपकी अमर, दूर–दृष्टि का।।

कॉर्निया की गुणवत्ता : टैक्नीशियंस का तकनीकी कौशल परीक्षण

जयपुर। आई बैंक सोसायटी कार्यालय में गत 23 सितम्बर, 2022 को एक दिवसीय तकनीकी कौशल परीक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य दान में प्राप्त होने वाले कॉर्निया को आंख से निकालने के दौरान किन-किन तकनीकी सावधानियों का ध्यान रखा जाए ताकि कॉर्निया खराब नहीं हो या उसकी गुणवत्ता में गिरावट नहीं आए। सोसायटी की मेडिकल डायरेक्टर डॉ. गरिमा अग्रवाल तथा मैनेजर सुदर्शना शेखावत ने जयपुर में कार्यरत सभी टैक्नीशियंस के कॉर्निया निकालने के तकनीकी कौशल का परीक्षण किया तथा पता लगाया कि किन कारणों से कॉर्निया की गुणवत्ता में कमी आ जाती है या कॉर्निया खराब हो जाता है। मॉक टेस्ट प्रणाली के माध्यम से टैक्नीशियंस द्वारा कॉर्निया निकालने की प्रक्रिया के दौरान अपनाई जाने वाली टैक्नीकल स्किल का भी विश्लेषण किया गया। मैनेजर शेखावत ने टैक्नीकल इंडिकेटर्स की जानकारी दी जबकि सहायक मैनेजर पुलकेश ने शर्मा ने कहा कि सही तरीके से एवं अच्छी गुणवत्ता के साथ काम करें ताकि कॉर्निया खराब नहीं हो।

उल्लेखनीय है कि गत जुलाई माह में हुई विजन वर्कशॉप में कॉर्निया खराब होने की संख्या में बढ़ोतरी पर चिंता व्यक्त करते हुए इसके लिए कौशल परीक्षण आयोजित करने के अध्यक्ष बी.एल. शर्मा ने निर्देश दिये थे।

–सुदर्शना शेखावत

दान में प्राप्त कॉर्निया

राजस्थान के विभिन्न शहरों से परोपकारी परिवारों ने समिति को अपने मृतक परिजनों के कॉर्निया दान करने व दृष्टिबाधितों को नया जीवन देकर उपकार करने का पुण्य कार्य किया है। दान में प्राप्त कॉर्निया की संख्या में हुई प्रगति की जानकारी हम नेत्र ज्योति के पूर्व अंकों में नियमित रूप से प्रकाशित करते रहे हैं। जुलाई 2022 से सितम्बर 2022 तक समिति के जयपुर मुख्यालय एवं चैप्टर्स से संयुक्त रूप से 654 कॉर्नियाँ दान में प्राप्त हुए हैं। मासिक विवरण इस प्रकार है :–

दान में प्राप्त कॉर्निया

माह	कॉर्निया संग्रहण	कॉर्निया प्रत्यारोपण	प्रत्यारोपण उपयोगिता दर
जुलाई, 2022	208	133	64%
अगस्त, 2022	224	137	61%
सितम्बर, 2022	222	140	63%
कुल संख्या	654	410	62%

FINANCIAL DONORS
LIST OF FOR THE PERIOD (01.07.2022 to 30.09.2022)

1	Smt. Vimlesh jain	1000000
2	Sh. Shirish Mody	151000
3	Sh. Narpat Singh Singhvi	96000
4	Sh. Kamal Kishore Baid	51000
5	Smt. Pushpa Mehta	31000
6	Kamal Pangariya	21000
7	Pdt. Badri Prasad Maharishi Charitable Trust	11000
8	Dr CBS Cyber Foundation	11000
9	Sh Sudhansh Pant	11000
10	Lt. Col C P Verma	10000
11	Sh Pravin Nannalal Shah	10000
12	Jalte Deep	5100
13	Sh S. C Derashri	5000
14	Sh S.S Bissa	3500
	Total	**1416600**

पेंशन की बचत राशि में से 10 लाख का डोनेशन

ओटीएस, जयपुर में आयोजित जागरूकता पखवाड़ा के समापन समारोह में आई बैंक सोसायटी के अध्यक्ष बी.एल. शर्मा को पेंशन की बचत राशि में से 10 लाख रुपयों का डोनेशन देने वाली 80 वर्षीय विमलेश जैन, मूलत: उदयपुर की रहने वाली है। विवाह के बाद इन्दौर में रह रही थी। वर्तमान में गत 15 वर्षों से जयपुर में रह रही है। इनकी दया एवं दान धर्म के प्रति विशेष रुचि है। श्रीमती विमलेश ने पूर्व में भी

आई बैंक को 50 हजार रुपयों का सहयोग दिया है। वे इंडिया टी.वी. पर भी अंधता निवारण के लिए हर माह दो हजार रुपये भेजती हैं। उन्होंने 10 लाख रुपयों की यह राशि वेटिंग रूम के लिए निर्माण के लिए प्रदान की है। पखवाड़े के समापन समारोह में सभी ने उनके सम्मान में खड़े होकर तालियां बजाकर अनुमोदना की। श्रीमती विमलेश ने अपना देहदान भी किया हुआ है।

जुलाई-अगस्त-सितम्बर में प्राप्त कार्निया दानदाताओं की सूची

जुलाई 2022

1. राजेंद्र नदबई,भरतपुर
2. श्रीमती नाथी भूत, इंडस्ट्रियल एरिया जोधपुर
3. जीवन बलाई, बगरू, जयपुर
4. जगदीश चंद्र टेलर ,आर.के. कॉलोनी, भीलवाड़ा
5. उगमराज सांड, पाली
6. श्रीमती कृष्णा बाई सेन, भवानी मंडी झालावाड़
7. श्रीमती सरला देवी ठक्कर, गोपाल विहार कोटा
8. चौथमल बैरवा ऊगरियावास, जयपुर
9. राधेश्याम परवाल, झालानियों का रास्ता, जयपुर
10. विमला देवी धोंद, सीकर
11. श्रीमती इंदु जैन, मोती चौक, जोधपुर
12. रूपचंद्र तवरानी, प्रताप नगर, जयपुर
13. जगदीश प्रसाद, मुरलीपुरा, जयपुर
14. उमा जैन, गुर्जर घाटी, जयपुर
15. सुरेंद्र, अलनाबाद, सिरसा, हरियाणा
16. शेर सिंह, सालावास, हरियाणा
17. रघुनंदन सिंह, शास्त्री नगर कोटा
18. विद्या देवी जैन,आदर्श नगर, कोटा
19. भोलानाथ, आर्यसमाज रोड़, कोटा
20. सुगन कंवर उदावत, वीर दुर्गा दास नगर, पाली
21. रामौवतार सोनी, विराटनगर जयपुर
22. सूरजमल कुम्हार, विराटनगर, जयपुर
23. गैंदीलाल, विमलपुरा,जयपुर
24. श्याम लाल शर्मा, आमेर, जयपुर
25. सरस्वती देवी कृपलानी, बापू नगर, भीलवाड़ा
26. श्रीमती सविता बोहरा, श्रीपाल नगर, पाली
27. पृथ्वीराज मीणा, नवाजी पुरा, स. माधोपुर सिटी
28. अमनदीप, जवाहर नगर, जयपुर
29. दीपक रामचंदानी, सिंधु नगर, भीलवाड़ा
30. रंजीत रेगर ,किशनगढ़, अजमेर
31. श्रीमती मोहिनी कालानी, वी डी नगर,पाली
32. सीताराम हरिजन, किशनगढ़, अजमेर
33. नत्थू लाल बेरवा ,आगरा रोड, जयपुर
34. रामधन गुर्जर ताला रोड, जयपुर
35. सुनील अग्रवाल, आगरा रोड, जयपुर
36. प्रेम कुमार प्रेम कुमार गिरी, आजाद नगर, अजमेर
37. देवेन्द्र,किशी खुर्द, मथुरा ,यूपी
38. कुलदीप, तिजारा, अलवर
39. जगदीश सिंह चारण, मालासी ,लाडनू, नागौर
40. श्रीमती पिंकी कुमावत, आदर्श नगर, जयपुर
41. रमेश चंद्र लड्ढा, बाजार नंबर दो, भीलवाड़ा
42. ललिता मित्तल, नसीराबाद, अजमेर
43. श्रीमती पिस्ता देवी, बालोतरा, जोधपुर
44. राकेश कालरा ,महावीर नगर, कोटा
45. लक्ष्मी नारायण, छिपियों का मोहल्ला, नारनौल
46. गोपाल सिंह, हिंडौन सिटी, करौली
47. राकेश, कुचामन सिटी, नागौर
48. मुनेश, बामनवास ,सवाई माधोपुर
49 पुनी देवी सैनी, बांसखो, बस्सी जयपुर
50. हेमराज, बामनवास, सवाई माधोपुर
51. अमरीक जौरा ,अयोध्या नगर, जयपुर
52. राजेंद्र, खंडार, सवाई माधोपुर
53. आनंद कुमार रंगवानी, सिंधी कॉलोनी, कोटा
54. दिलीप सिंह ,सीसला, विभासर ,झुंझुनू
55. शंकर धोबी, सुराना, शाहपुरा, जयपुर
56. विजय सिंह, मदनगंज, अजमेर
57. मोहन कुमार कनोडिया, हीरापुरा, जयपुर
58. राम प्रताप बेरवा, मंडावर, दौसा
59. शिवचरण जाटव, टोडाभीम, करौली
60. भाग्यलता दोशी, कमला नेहरू नगर, पाली
61. नंद किशोर महावर, रामपुरा, दौसा
62. जसप्रीत कौर,पंजाबी कोलोनी,जयपुर
63. जुगल किशोर झंवर, परबतसर, नागौर
64. आकाश दौराया, बनीपार्क, जयपुर
65. फूलचंद, आमेर, जयपुर
66. सोनेलाल पाल, आईटीआई कॉलोनी, हनुमानगढ़
67. बद्री प्रसाद आसीवाल, शाहपुरा, जयपुर
68. चंदन कुमार यादव, दरभंगा ,बिहार
69. श्रीमती रमा देवी धूत, हरी नगर, जोधपुर
70. सुरेश चंद्र जैन, मनोहर थाना, झालावाड़
71. शिवराज रेगर मदार, अजमेर
72. श्रीमती उर्मिला, महावीर नगर, कोटा
73. फतेह सिंह, खुरी कलां दौसा
74. नरपत राम, कुचामन, नागौर
75. गोपाल कुमावत, कुमावतों का मोहल्ला, जयपुर,
76. विष्णु, गोनेर जयपुर
77. मदन नागर, पालड़ी मीणा, जयपुर
78. मुरारी लाल सैन, मलारना डूंगर, सवाई माधोपुर
79. पूरण सिंह, कुम्हेर, भरतपुर
80. जगदीश प्रसाद गोयल, महावीर नगर, कोटा
81. मोहित शर्मा बलौनी, अलवर
82. रेखादेवी, बसवारी, बिहार
83. यश राज शर्मा, बजरंग नगर, पाली
84. सूरज, आगरा यूपी
85. ओम प्रकाश बैरवा, दौसा
86. भावेश सारण, फुलेरा, जयपुर
87. सपना योगी, राजगढ़, अलवर
88. राजेश खंडेलवाल, मानसरोवर, जयपुर
89. रमेश चंद्र मुनोत, शास्त्री नगर, जयपुर
90. दिनेश कुमार सेन ,नाहरगढ़ रोड, जयपुर
91. दापू प्रजापत, जालरा, टोंक
92. किसनी, बलदेव, मथुरा, यूपी
93. रामजीलाल, आगरा, यूपी
94. रमेश चंद्र यादव, कोटखावदा, जयपुर
95. शांति प्रसाद गुप्ता, दादाबाड़ी, कोटा
96. किशन प्यारी मूंदड़ा, बापू नगर, पाली
97. गीता देवी, सेवा समिति, पाली
98. राजकुमार, मोजमाबाद, जयपुर
99. भारती पाल जोशी, कुचामन, नागौर
100. पवन जैन ,जय जवान कॉलोनी, जयपुर
101. रमेश करमचंदानी, रामगंज, अजमेर
102. केवल चंद जैन, कोटा
103. विजय सिंह, नदबई, भरतपुर
104. रामरतन आर्य, बगड़ी, टौंक
105. प्रमोद गर्ग,प्रताप नगर, जयपुर

अगस्त 2022

1. सत्यनारायण शर्मा, विकासनगर ,बूंदी
2. पुष्कर लाल डांगी, बिलोता, राजसमंद
3. इतिका शर्मा, इंदिरा कॉलोनी विस्तार, पाली
4. श्रीमती पारसदेवी चोपड़ा, विजयनगर, भीलवाड़ा
5. चंचलदेवी जैन, महावीर नगर, जयपुर
6. कुलदीप भाटिया, राजा पार्क, जयपुर
7. उर्मिला, जगदीश पुरा, आगरा यूपी
8. सहदेव मीणा, रेनवाल, जयपुर
9. महावीर योगी, लाखनी, कोटा
10. श्रीमती शांति देवी, रातानाडा, जोधपुर
11. सज्जनबाई जैन, सिंहपुर कटावन, झालावाड़
12. श्रीमती रत्नी देवी गोदावत, डीडवाना, नागौर
13. सुश्री पूजा, धोद, सीकर
14. श्रीमती शारदा गुप्ता, शोभागपुरा, उदयपुर
15. रत्ना लाहोटी, रत्नावली हॉस्पिटल, भीलवाडा
16. जीवनराम प्रजापत, सरवाडी गेट, किशनगढ़
17. अमरदीप सिंह, जयसिंह पुरा, जयपुर

नेत्रदाताओं की सूची

18. हरप्रसाद, नदबई, भरतपुर
19. सांवरलाल दरोगा, बगराई ,अजमेर
20. मदन मोहन विजय, बजरंग नगर, कोटा
21. मंगतूराम नायक, चौकड़ी फाटक, बीकानेर
22. घनश्याम प्रसाद शर्मा, कोटपुतली, जयपुर
23. श्रीमती भूली देवी मीरा मार्ग, बनीपार्क जयपुर
24. प्रभु दास मांधना, बनीपार्क, जयपुर
25. महेश चंद्र, उच्चेन, भरतपुर
26. कमला देवी, भूरा टीबा, हरमाड़ा जयपुर
27. छोटे लाल सैनी, राजगढ़, अलवर
28. राघव सोढाणी, संजय कॉलोनी, भीलवाड़ा
29. मुकेश, भांगड़ी बस्ती, अलवर
30. नरेंद्र परावा, सोडवा, चूरू
31. जयप्रकाश दक, हिरण मगरी सेक्टर 11, उदयपुर
32. मुस्कान नैनानी, संजय कॉलोनी, भीलवाड़ा
33. भगवती लाल सिंघटवाडिया, हिरण मगरी, उदयपुर
34. उर्वशी बेन, सुथार वाड़, गांधीनगर, गुजरात
35. मांगी देवी, दौसा
36. अनिल कुमार मंत्री, किशनपोल बाजार, जयपुर
37. लखन सिंह, सीकरी, चार हिस्सा, आगरा, यूपी
38. नानूराम, खाटू श्यामजी, जयपुर
39. राजू वर्मा, भवानी मंडी, झालावाड़
40. माधुरी चतुर्वेदी, दादाबाड़ी, कोटा
41. गोपाल देवल, नई बस्ती, अजमेर
42. सुरेश वर्मा, रामगंज, अजमेर
43. शांति देवी, झोटवाड़ा, जयपुर
44. रमेश चंद्र शर्मा, सांगानेर, जयपुर
45. गुनीसर राम, समस्तीपुर, बिहार
46. नंदकिशोर, लक्ष्मणगढ़, सीकर
47. मोहन सिंह, बिजनौर, यूपी
48. सुशांत, स्वरूप नगर, दिल्ली
49. सीमा शेखावत, महेश नगर, जयपुर
50. खुशवीर सिंह, टेवाली कलां, पाली
51. पान सिंह राठौड़, सेनापति भवन, जोधपुर
52. गज्जू देवी दुगड़, बीपी नगर, पाली
53. सुशीला देवी, आरसी व्यास कॉलोनी, भीलवाड़ा
54. श्रीमती सुधा, गोवर्धन मोड, मथुरा, यूपी
55. रामस्वरूप, नीमकाथाना, सीकर
56. श्रीमती मालती बाई, रामगंज मंडी, कोटा
57. मोहन लाल पांडे, भवानी मंडी, झालावाड़
58. राहुल धोका, तिलक नगर, पाली
59. श्रीमती इंदिरा, सिंधी कॉलोनी, कोटा
60.अंकिता बंसल, खेतड़ी हाउस, जयपुर
61. सुरेश कुमार, रामदेव रोड, पाली
62.सुरेश चंद्र सोढाणी, वीएचपी नगर, कोटा
63.श्रीमती लवलीन कौर, बजरंग नगर, कोटा
64 सुरेश टांक, किशनगढ़, अजमेर
65. लड्डू लाल माली, मनोहरपुर, टोंक
66 प्रभु दयाल, टोडा नगर, टौंक
67.रंजना जैन, बांदनवाड़ा, अजमेर
68 कमल कुमार वर्मा, मुरलीपुरा, जयपुर
69.रामावतार यादव, महेंद्रगढ़, हरियाणा
70.राहुल शर्मा, कोटपुतली, जयपुर
71.प्रेमचंद जैन, मानसरोवर, जयपुर
72 रमेश, मंडावरी, लालसोट, दौसा
73.रुस्तम सिंह, मगोरा, मथुरा, यूपी
74 .सोनी देवी, अलवर
75. नरेंद्र कुमार सिंघा, बजरंग नगर, कोटा
76.श्रवण महावर, खातीपुरा, जयपुर
77 गोपाल मीणा, भरतपुरा, फागी, जयपुर
78. श्रीमती कांता, छोटा बाजार, सांभर लेक, जयपुर
79. मंगल चंद चौधरी, रानी नगर, अजमेर
80 लोकेंद्र सिंह, जय लालपुरा, सवाई माधोपुर
81.राजेंद्री देवी, सिरसागंज, फिरोजाबाद यूपी
82. कृष्णा, चतरपुरा, अलवर
83. पारस देवी हिंगड, चं.शे. आजाद नगर, भीलवाड़ा
84 संदीप जैन, जवाहर नगर, कोटा
85 मिलाप चंद जैन, रामनगर, अजमेर
86.देव कुमार नवलानी, अजय नगर, अजमेर
87 रमेश धोबी, नारेडा, फागी, जयपुर
88 भूपेंद्र सिंह राठौड़, तोपदड़ा, अजमेर
89. गोपीचंद मलिक, शॉपिंग सेंटर, कोटा
90 भूपेंद्र जैन, गुमानपुरा, कोटा
91 मुकेश सिंह, विश्वकर्मा, जयपुर
92. तेज सिंह, लुधवाई, भरतपुर
93.कौशल्या देवी, रामपुरी कॉलोनी, दौसा
94 निर्मल कुमारी अरोड़ा, विज्ञान नगर, कोटा
95. सुरेश कुमार, महलां, जयपुर
96.गोपाल मंगल, विजयनगर, अजमेर
97. अंजलि कंवर, मालपुरा, टोंक
98. रवीना कुमारी सैनी, गोलाकाबास, अलवर
99. श्रीमती शांति देवी लुंकड़, बालोतरा, बाड़मेर
100 ओंकार लाल शर्मा, शॉपिंग सेंटर, कोटा
101. साधना मिश्रा, संगम विहार, अजमेर
102. विक्रम, जमालपुर, झुंझुनू
103.विजय प्रताप सिंह, से.ग्रा.कॉलोनी, कानपुर, यूपी
104. जेठाराम सुखाड़िया, सोसाइटी नगर, पाली
105. विमला देवी, नेहरू नगर, पाली
106. पिंकी, हिंडोली बूदी
107. हिमांशु बोहरा, अमृत नगर, जोधपुर
108. जगदीश सिंह राठौड़, भावता, अजमेर
109. महबूब, जमवारामगढ़, जयपुर
110. रघुवीर सिंह, रामनगर बढ़ाऊ, झुंझुनू
111 राधेश्याम व्यास, भवानी मंडी, कोटा
112. बलराम, मुरैना, मध्य प्रदेश
113.महेंद्र कुमार वर्मा श्रीमाधोपुर सीकर।

सितम्बर 2022

1. अनीता गुप्ता, गोरधनपुरा, कोटा
2. शिखर चंद खाब्या, सिविल लाइन, अजमेर
3. लक्ष्मीचंद जैन, पीपल्या बाजार, ब्यावर
4. लक्ष्मी मोतीलाल, नागरा, अजमेर
5. उत्तमचंद चोपड़ा, छोटा मूथों का बास, पाली
6. पवन देवी सकलेचा, कमला नेहरू नगर, पाली
7. रामकुमार सैन, गुमानी, दौसा
8. कृष्णा देवी, सादुलपुर, चूरू
9. भरत सिंह, धौलपुर
10. सरिता मानसिंह, आर्य स. रोड, भीलवाड़ा
11. उमा राजपाल, न्यू कॉलोनी, कोटा
12. भंवरलाल नागदा, टेकरी, उदयपुर
13. संदीप, हनुमानगढ़
14. रामप्रसाद, गांधीनगर जयपुर
15. नाथूलाल जैन, इंदरगढ़
16. छोटू लाल गर्ग, विज्ञान नगर, कोटा
17. दलपत चौधरी, बेदला हाउस कोलोनी, उदयपुर
18. त्रिशा शर्मा, मदार, अजमेर
19. महेश कुमार, खंदारावजी दौसा
20. भूपेंद्र, अंता, बारां
21. सुभाष चंद्र, तिजारा, अलवर
22. अनीता, मथुरा, यूपी
23. मूलचंद खारवाल, सिकराय, दौसा
24. अंकिता कुमारी, सूरजगढ़, झुंझुनू
25. आशा देवी चंदेल, कुम्हारों का मंदिर, बारां
26. आनंद स्वरूप गर्ग, ब्यावर
27. मानमल लसोड, महावीर नगर, पाली

नेत्रदाताओं की सूची

जुलाई से सितम्बर 2022 की तिमाही में जिन 410 लोगों को कॉर्निया प्रत्यारोपित किये गये उनमें से कुछ लोगों के चित्र यहाँ प्रकाशित किए जा रहे हैं।

नाथी देवी
नागौर

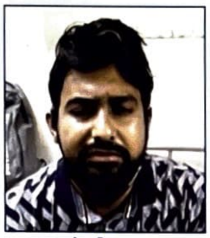

नेमीराम
जोधपुर

शकुंतला देवी
जयपुर

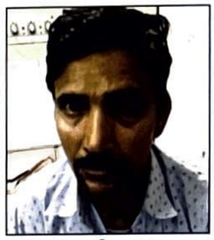

मनीराम
चूरू

ओमप्रकाश
हनुमानगढ़

पिछले पृष्ठ से जारी......

28. राधा देवी, तलकरा, भरतपुर
29. विमला देवी, जयसिंहपुरा, जयपुर
30. अनीता देवी, मेहंदीपुर बालाजी, दौसा
31. प्रियांशु, कालवाड, जयपुर
32. संदीप, लोहा भान, मथुरा, यूपी
33. कुंभाराम, धोद, सीकर
34. रुकमणी देवी, अनंतपुरा, कोटा
35. सोनिया मलानी, साबरमती कॉलोनी, कोटा
36. पुष्पा देवी प्रजापत, उगरियावास, जयपुर
37. उर्वशी मकवाना, धोला भाटा, अजमेर
38. हरिश्चंद्र अग्रवाल, जवाहर मार्केट, कोटा
39. अनीता देवी, रेगर मोहल्ला, आमेर, जयपुर
40. सुरेंद्र, महेंद्र गढ़, हरियाणा
41. मीरा बहन शर्मा, जयसिंहपुरा, जयपुर
42. मानचंद्र, हाथीदह, शाहपुरा, जयपुर
43. केतन सा केतन, रामगंज मंडी, कोटा
44. अजय सिंह कच्छावा, कुन्हाड़ी, कोटा
45. श्याम सुंदर, गोविंदगढ़, अलवर
46. रामनिवास, नगला रोड, धौलपुर
47. प्रेम राज, निसार, भरतपुर
48. लक्ष्मी देवी गंगवाल, महावीर कॉलोनी, भीलवाड़ा
49. गोविंद सिंह, गीता कॉलोनी, भरतपुर
50. केदार, खेरली, अलवर
51. मालाराम, भाकर, झुंझुनू
52. रानू शर्मा, चांदपोल बाजार, जयपुर
53. विश्वनाथ शर्मा, भादवारी, सीकर
54. गिरधारी लाल, दादाबाड़ी, कोटा
55. प्रभूदास खत्री, आदर्श नगर, ब्यावर
56. मदनलाल, गोविंदगढ़, जयपुर
57. मनोज, गोविंद नगर, जयपुर
58. माला राम गुर्जर, डूंगरपट्टी, सवाई माधोपुर
59. घनश्याम, काशीपुरा, झुंझुनू
60. विजयपाल, फरीदाबाद, यूपी
61. हीराराम माली, रिया, जोधपुर
62. पुष्पलता सक्सेना, सुंदरवास, उदयपुर
63. कुलबीर सिंह, बजरंग नगर, कोटा
64. डा.चतुर्भुज, कीर्ति नगर, जोधपुर
65. प्रेम प्रकाश अग्रवाल, किशनगढ़, अजमेर
66. कंचन मल सुराना, सरदारपुरा, जोधपुर
67. प्रदीप अरोड़ा, रिद्दिका का नगर, बांरा
68. देवेंद्र सिंह डोगरा, सुभाष कॉलोनी, कोटा
69. लक्ष्मी नारायण चौधरी, आदर्श नगर, अजमेर
70. मदन चौधरी, सेमली नगर, भरतपुर
71. नाथूराम बेरवा, चौथ का बरवाड़ा, सवाई माधोपुर
72. दुर्गादेवी, चार दरवाजा, जयपुर
73. महेंद्र शर्मा, ब्राह्मणों का वास, झुंझुनू
74. घनश्याम सैनी, पीलवा, दोसा
75. उर्मिला देवी लोढा, रावतभाटा, कोटा
76. डॉ राकेश कोठारी, प्रेम नगर, जोधपुर
77. गंगा देवी थावानी, ब्यावर, अजमेर
78. चंपा मेहता, मूथों का बास, पाली
79. धन्न कुमार जैन, कमला नगर, आगरा, यूपी
80. जय सिंह, गोन्दीपुर, भोपाल
81. सुशीला देवी जांगिड़, लामिया, सीकर
82. अनूप, मानसरोवर, जयपुर
83. निर्मला देवी सोनी, श्रीपुरा, कोटा
84. जितेंद्र, सियाणा, झुंझुनू
85. गजानंद रेगर, जालना, जयपुर
86. गोकुल चंद अग्रवाल, धर्मशाला, दौसा
87. उमेश मंटीवाल, सरस्वती कॉलोनी, कोटा
88. हेमा देवी, कुमेर, भरतपुर
89. राहुल गोयल, निवारू रोड, जयपुर
90. गणेश कुमार, तुंगा, जयपुर
91. जसवीर कौर, आजाद नगर, भीलवाड़ा
92. ओमप्रकाश चौधरी, नूवां, नागौर
93. जमुनालाल हेड़ा, भोपाल गंज, भीलवाड़ा
94. चंद्रकांता, रायसर, जयपुर
95. प्रहलाद, खातीपुरा, जयपुर
96. नर्मदेश्वर, करौली
97. दौलतराम खत्री, अजय नगर, अजमेर
98. छंवर लाल, वैष्णव मंडी, जोधपुर
99. कैलाश सांड, रूप नगर, जोधपुर
100. गीतादेवी जोशी, रामगंजमंडी, कोटा
101. किशोर मल लोढ़ा, आगरा गेट, अजमेर
102. सरला देवी गोखरू, विजयनगर, अजमेर
103. महेंद्र चौधरी, जसवंतपुरा, अजमेर
104. महेंद्र कुमार सुराना, महावीर नगर, पाली
105. विक्रम सिंह, डीग, भरतपुर
106. मणिलाल गर्ग, जीपीओ, अजमेर
107. शंकर सैनी, फुलेरा, जयपुर
108. नंदलाल मीणा, सीकर
109. अमर सिंह, आनंद विहार, जयपुर
110. रामपत झरखेड़ा, अलवर
111. संतोष देवी जैन, महावीर कॉलोनी, भीलवाड़ा
112. मंगल राम रेगर, भांकरोटा, जयपुर
113. कालूराम, मंडावरी, दौसा

Proposed New Building

Eye Bank Society of Rajasthan

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

A VISION FOR VISION

R 5,00,000
sue Distribution Centre
cord Room

R 10,00,000
ecutive Room
minar Room
e Cut Machine Room
aiting Lounge
aff Cafeteria
aluation Lab

R 15,00,000
aining Centre
Admin Office
Research Centre
Reception Lounge
Tissue Demonstration area

INR 25,00,000
Cornea Processing Lab
Board Room

INR 50,00,000
Conference Hall
(Furnished)

INR 1,00,00,000
One Complete Floor

Sponsorship - You are requested to Sponsor a unit to make our Mission, to give vision to Corneal Blind people, Successful. The Concerned Unit witll be named in the Name of Sponsor. Adequate Visibility Will be Provided to All Sponsor/ Donors.

We are looking forward to generous contributions from Organisations, Individuals for this Noble Cause.
Bank Particulars for Donations through RTGS/ NEFT are as follows :

Bank Name : State Bank of India — Acc. No. : 38700274930

Branch : Malviya Nagar Branch, Jaipur, India — IFSC Code : SBIN0006912

Donation by Cheque / Draft to be made in the name of "Eye Bank Society of Rajasthan, Jaipur"

SCAN & PAY

BHIM SBI Pay

For More Information Please Contact :

Sh. B. L. Sharma, IAS (Rtd.)
President, 9829055771

Sh. L. P. Kothari, IAS (Rtd.)
Secretary, 9829214013
Email ID : lalitpkothari@gmail.com

Eye Bank Society Of Rajasthan

Mobile Surgical Unit Campus, Moti Doongari Road, Jaipur-302004,
Office Contact: Manager, 8559900955, ebsr_jp@hotmail.com

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

पाठकों से निवेदन

"राजस्थान नेत्र ज्योति के पाठकगण से विनम्र अनुरोध है कि पत्रिका को और अधिक रोचक बनाने हेतु नेत्रदान से सम्बन्धित समाचार, कविता, लेख एवं चित्र इत्यादि भेजकर अपना योगदान करें।"

नेत्रदान करना हुआ अब आसान

नेत्रदान संकल्प के लिए आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान की

वेबसाईट : **www.ebsr.in**

को लॉग इन कर **Apply Now** पर क्लिक कर नेत्रदान संकल्प पत्र भर कर नेत्रदान कर सकते हैं।

सही समय पर सही फैसला किसी की जिन्दगी रोशन कर सकता है।

नेत्रदान के लिए हमें बस एक कॉल कीजिये।

ONE CALL DOES IT ALL

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

HELPLINE
08045813000

आइये, नेत्रदान को परिवार की परम्परा बनायें।

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान

मोबाइल सर्जिकल यूनिट कैम्पस, मोती डूंगरी रोड, जयपुर – 302 004

फोन – सचिव : 98292 14013, मैनेजर : 85599 00955, असि. मैनेजर : 85599 00956, 0141-260 4117

E-mail : ebsr_jp@hotmail.com

JAIPUR • UDAIPUR • JODHPUR • AJMER • KOTA • BHILWARA • PALI • ALWAR • BUNDI

स्वत्वाधिकारी आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक, अशोक भण्डारी द्वारा पॉपुलर प्रिन्टर्स, जयपुर एवं आई बैंक सोसायटी ऑफ़ राजस्थान, मोबाइल सर्जिकल यूनिट कैम्पस, मोती डूँगरी रोड, जयपुर – 302004 द्वारा प्रकाशित

सम्पादक: लक्ष्मण बोलिया, सह संपादक: गोविन्द गुरबानी

Website : www.ebsr.in; Face book : fb/eyebanksocietyofraj; Youtube : Eye Bank Society of Rajasthan (EBSR)